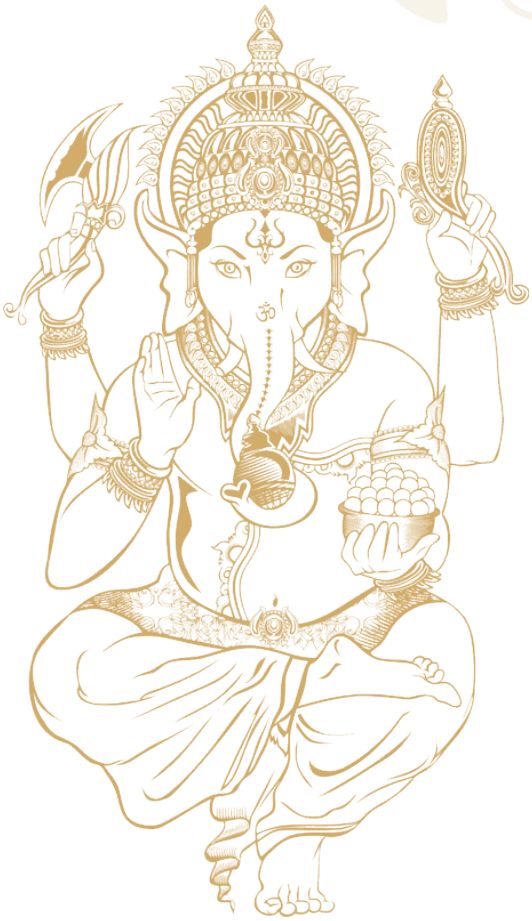

Mr.Digvijay Rajput

15 Jul 1988

01:30 AM

Bijnor

Model: Varshphal-2017

Order No: 119330201

तिथि 15/07/1988 **समय** 01:30:00 **वार** शुक्रवार **स्थान** Bijnor **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:41:54
अक्षांश 29:22:00 उत्तर **रेखांश** 78:09:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:17:24 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	20:44:11 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:05:56 घं	योनि	मेष
सूर्योदय	05:27:25 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	19:18:45 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2045	वश्य	जलचर
शक संवत	1910	वर्ग	मेष
मास	आषाढ़	युँजा	मध्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	जल
तिथि	1	जन्म नामाक्षर	हे-हेमन्त
नक्षत्र	पुष्य	पाया(रा.-न.)	ताम्र-रजत
योग	वज्र	होरा	सूर्य
करण	बव	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी
शनि 10वर्ष 6मा 27दि
शुक्र
10/02/2023
10/02/2043

शुक्र	12/06/2026
सूर्य	12/06/2027
चन्द्र	10/02/2029
मंगल	12/04/2030
राहु	12/04/2033
गुरु	12/12/2035
शनि	10/02/2039
बुध	11/12/2041
केतु	10/02/2043

योगिनी
धान्या 1वर्ष 8मा 1दि
धान्या
17/03/2023
16/03/2026

धान्या	16/06/2023
भ्रामरी	16/10/2023
भद्रिका	16/03/2024
उल्का	15/09/2024
सिद्धा	16/04/2025
संकटा	15/12/2025
मंगला	15/01/2026
पिंगला	16/03/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			00:49:29	वृष	कृतिका	2	सूर्य	राहु	---	0:00			
सूर्य			28:52:15	मिथु	पुनर्वसु	3	गुरु	सूर्य	सम राशि	1.39	आत्मा	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			09:14:42	कर्क	पुष्य	2	शनि	शुक्र	स्वराशि	1.44	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल			06:45:36	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	बुध	मित्र राशि	1.41	पुत्र	भ्रातृ	जन्म
बुध			09:56:30	मिथु	आर्द्रा	1	राहु	गुरु	स्वराशि	1.07	भ्रातृ	ज्ञाति	मित्र
गुरु			05:01:48	वृष	कृतिका	3	सूर्य	शनि	शत्रु राशि	1.28	ज्ञाति	धन	प्रत्यारि
शुक्र			22:07:03	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	शुक्र	स्वराशि	1.43	अमात्य	कलत्र	साधक
शनि	व		03:50:22	धनु	मूल	2	केतु	चंद्र	सम राशि	1.64	कलत्र	आयु	विपत
राहु	व		21:30:46	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	गुरु	मित्र राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु	व		21:30:46	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	क्षेम

लग्न-चलित

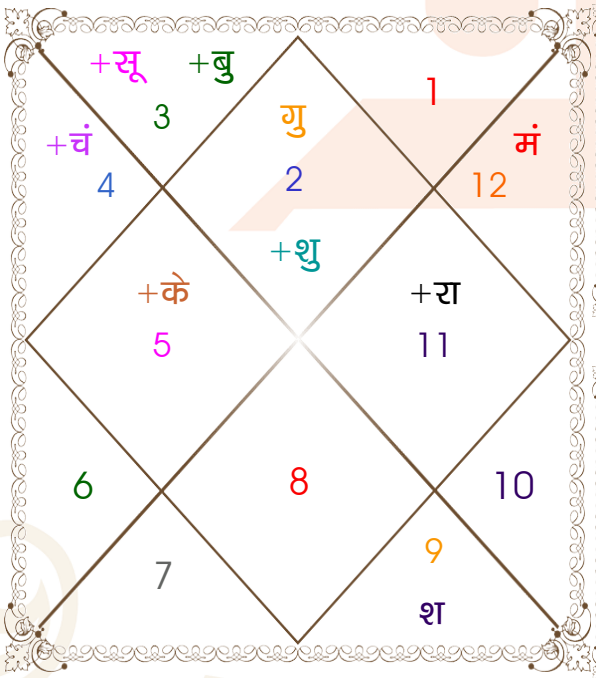

चन्द्र कुंडली

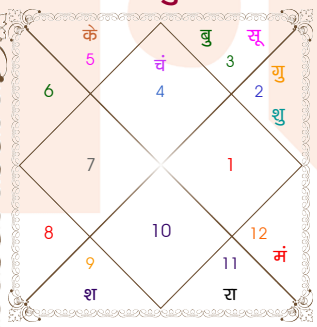

नवमांश कुंडली

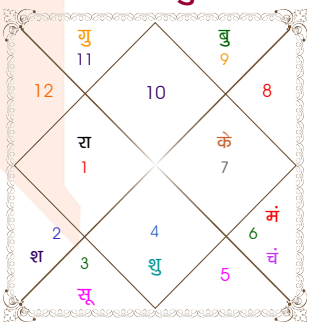

सर्वाष्टकवर्ग

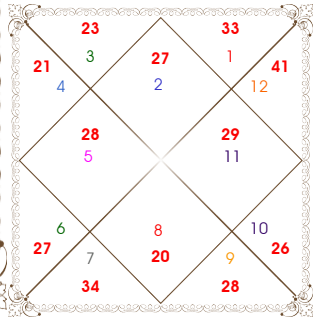

दशमांश कुंडली

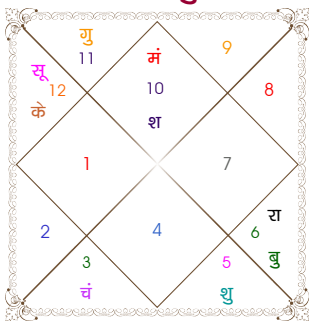

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में व्याकुलता तथा अशान्ति का भाव रहेगा । इस समय आपके विगत रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा पारिवारिक जनों के मध्य कलह एवं मतभेद रहेंगे। स्त्री का स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता कम ही रहेगी। अतः इस वर्ष में दाम्पत्य जीवन का सुख मध्यम रहेगा। इसके साथ ही यात्राओं से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें व्यय ही अधिक होगा अतः लम्बी दूरी की यात्राओं की इस समय यत्नपूर्वक उपेक्षा करें। शत्रु वर्ग से भी इस समय परेशानी रहेगी तथा मित्रों एवं संबंधियों से विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा।

व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष से आपको इसमें सफलता प्राप्त होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति में व्यवधान तथा विलम्ब होगा तथा विरोधी भी प्रबल रहेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से आपको कोई विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा समाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम रहेगा । आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको परेशानी हो सकती है। अतः बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए तभी शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही इसमें आपको सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपका शत्रुपक्ष निर्बल रहेगा तथा उनपर विजय प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे फलतः व्यापार,चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षा में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस समय आप के रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा आशाओं एवं मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। व्यापार में इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा विस्तार या किसी नवीन कार्य को प्रारंभ करने में आप समर्थ रहेंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी पदोन्नति होगी तथा किसी महत्वपूर्ण पद पर आप नियुक्त हो सकेंगे। इससे समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही यथोचित आदर भी करेंगे।राजनैतिक महत्व के लोगों तथा सरकार के अधिकारी वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे। अतः इनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा ये आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख भी प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही सौभाग्यशाली रहेगा तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आप उन्नतिशील रहेंगे।

प्रथम मास

15/07/2025 13:07:18 से 15/08/2025 21:40:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	07:00:27
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	28:52:15
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:48:12
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:58:13
बुध		कर्क	आश्लेषा	21:01:41
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	13:50:18
शुक्र		वृष	रोहिणी	17:40:53
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:42:57
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:32:42
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	25:32:42
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	00:49:29

मासाधिपति

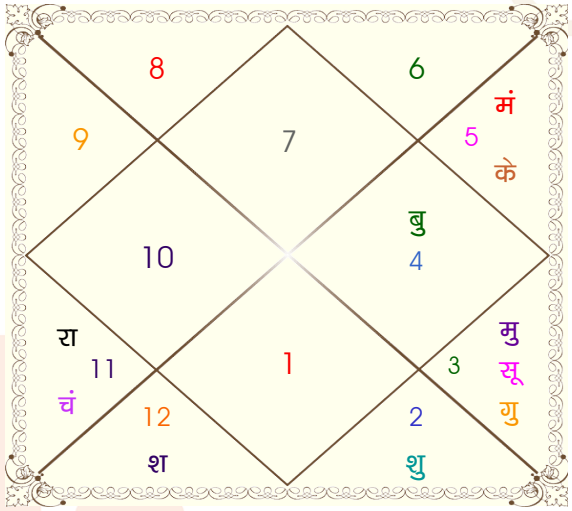

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव या कार्य भी सम्पन्न हो सकता है। सन्तति से आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं अवसरानुसार आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे।समाज में यशार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगे एवं मित्रों से मधुर संबन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे।

साथ ही आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सन्तुष्टि भी प्राप्त करेंगे। इस मास में आप नवीन वस्त्रों तथा अन्य द्रव्यों को भी अर्जित करेंगे।अतः इससे आपको मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त होगी।

द्वितीय मास

15/08/2025 21:40:47 से 15/09/2025 21:59:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	27:21:28
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	28:52:15
चन्द्र		मेष	भरणी	21:40:51
मंगल		कन्या	हस्त	11:14:18
बुध		कर्क	पुष्य	11:09:00
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:32:37
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	23:54:09
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:48:33
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:21:12
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:21:12
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	03:19:29

मासाधिपति

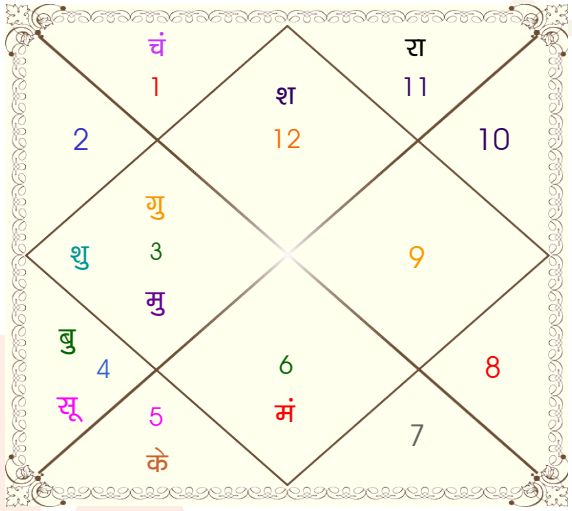

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

15/09/2025 21:59:43 से 16/10/2025 10:26:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	10:45:07
सूर्य		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:52:15
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	14:59:46
मंगल		तुला	चित्रा	01:20:39
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:49:59
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	26:07:03
शुक्र		सिंह	मघा	01:06:03
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:43:20
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:06:50
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:06:50
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	05:49:29

मासाधिपति

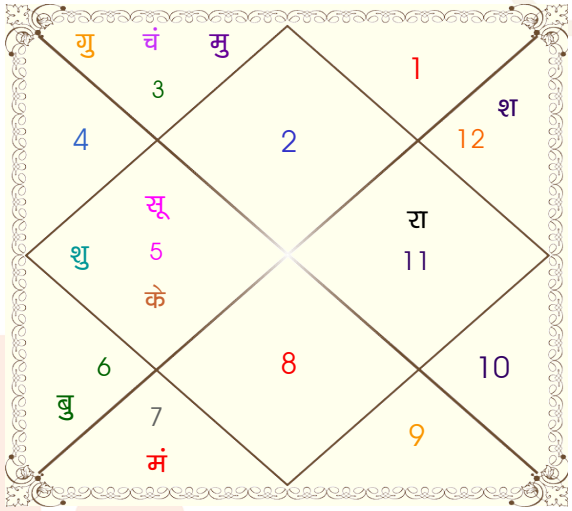

मासाधिपति : बुध

इस महीने में आप अपने उत्साह द्वारा धन को अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आप अपने बन्धुओं तथा मित्रों के मध्य उचित प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे। साथ ही मिष्ठानोपभोग भी आप अधिक मात्रा में करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं उनको पराजित करने में आपको पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं व्यापारादि कार्यों में भी आपको वांछित लाभ प्राप्त होगा। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी अभिवृद्धि होगी तथा सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में आपको सफलता मिलेगी।

चतुर्थ मास
16/10/2025 10:26:55 से 15/11/2025 10:43:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:51:25
सूर्य		कन्या	चित्रा	28:52:15
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	28:47:51
मंगल		तुला	विशाखा	22:07:06
बुध		तुला	स्वाति	19:30:31
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:48:38
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:39:36
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:27:35
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:43:54
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:43:54
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	08:19:29

मासाधिपति

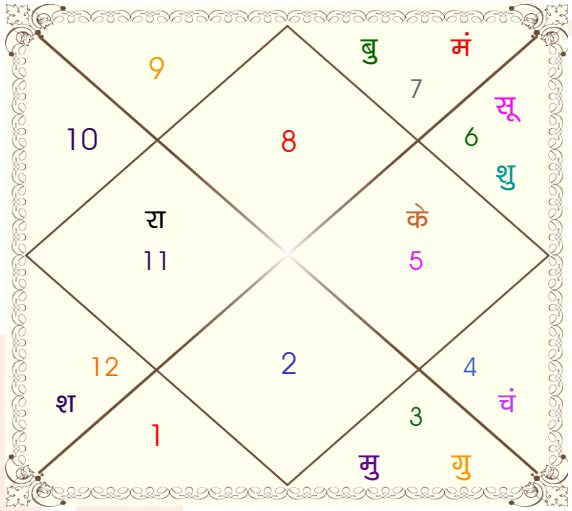

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए समान्यता अशुभ रहेगा। इस समय आपको शत्रुओं से भय बना रहेगा तथा मन में चिन्ता व्याप्त रहेगी साथ ही आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। इस समय आप अनावश्यक रूप से धन व्यय करेंगे एवं धर्म के प्रति भी आपके मन की श्रद्धा में अल्पता आएगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक व्याकुलता प्राप्त करेंगे परिणामतः आपके शारीरिक बल में भी न्यूनता आएगी तथा आपको दुर्बलता का आभास होगा। इसके साथ ही इस मास आप दूर की यात्रा भी कर सकते हैं। अपने सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप प्रायः असफल ही रहेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी शिथिल होंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी जाने अनजाने सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में मान हानि हो सकती है। इसके साथ ही आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार से हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

पंचम् मास
15/11/2025 10:43:31 से 15/12/2025 01:41:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:02:31
सूर्य		तुला	विशाखा	28:52:15
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:29:54
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	13:29:02
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	10:16:33
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:54:45
शुक्र		तुला	स्वाति	16:09:06
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:05:15
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:55:14
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:55:14
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	10:49:29

मासाधिपति

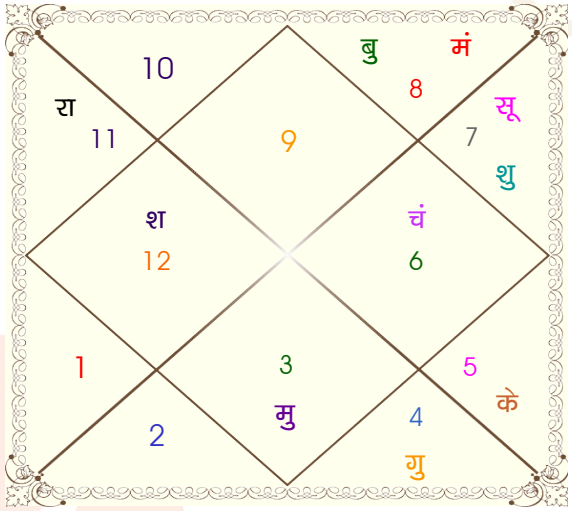

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

15/12/2025 01:41:35 से 13/01/2026 12:31:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	18:43:31
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:52:15
चन्द्र		तुला	चित्रा	01:59:12
मंगल		धनु	मूल	05:25:20
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	09:29:37
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:09:53
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:23:19
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:11:10
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:44:57
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:44:57
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	13:19:29

मासाधिपति

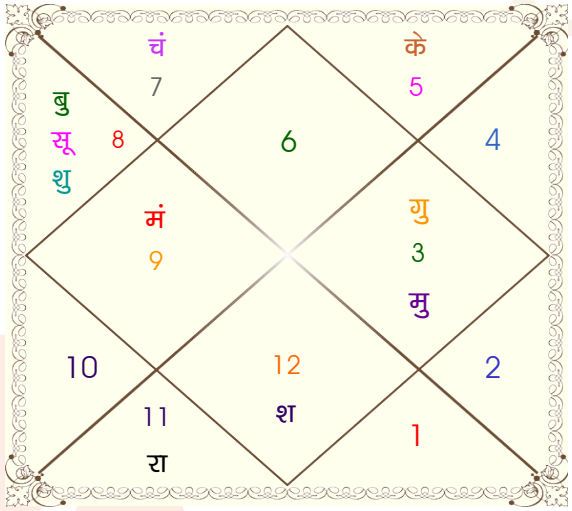

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके अधिकारी तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप पदोन्नति के अधिक अवसर प्राप्त करेंगे। बन्धु तथा मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपकी ख्याति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस महीने आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति भी कर सकते है तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप अन्य प्रकार से सुख तथा ऐश्वर्य अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा सुख पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

सप्तम् मास
13/01/2026 12:31:01 से 12/02/2026 01:21:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	12:07:46
सूर्य		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:52:15
चन्द्र		तुला	विशाखा	27:36:55
मंगल		धनु	उत्तराषाढ़ा	27:56:06
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:39:12
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:29:26
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:26:54
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:46:25
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:59:54
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:59:54
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	15:49:29

मासाधिपति

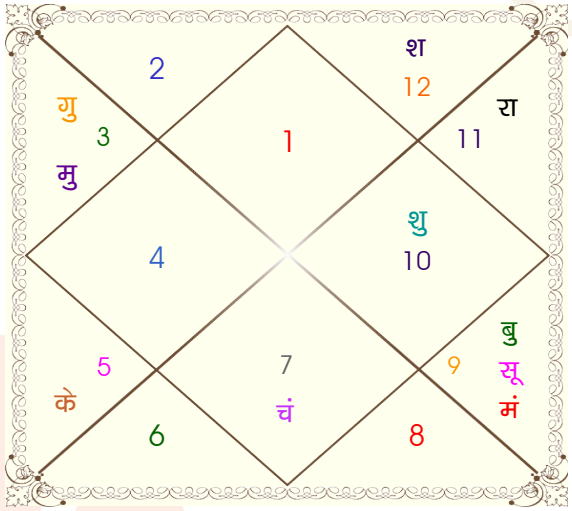

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
12/02/2026 01:21:00 से 13/03/2026 21:52:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	04:07:39
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	28:52:15
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:50:43
मंगल		मकर	श्रवण	20:59:51
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:06:25
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:03:48
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	07:31:37
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	05:32:17
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:52:45
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:52:45
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	18:19:29

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

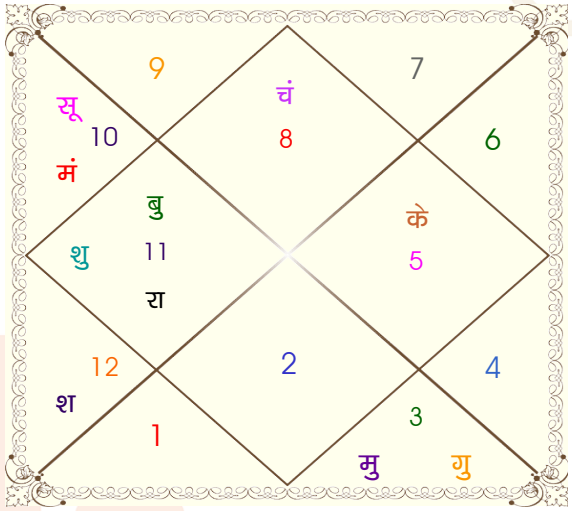

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास

13/03/2026 21:52:20 से 13/04/2026 05:53:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	14:50:13
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:52:15
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:01:26
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	14:30:35
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	16:53:30
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:52:23
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	14:45:56
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	09:02:29
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:40:55
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:40:55
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	20:49:29

मासाधिपति

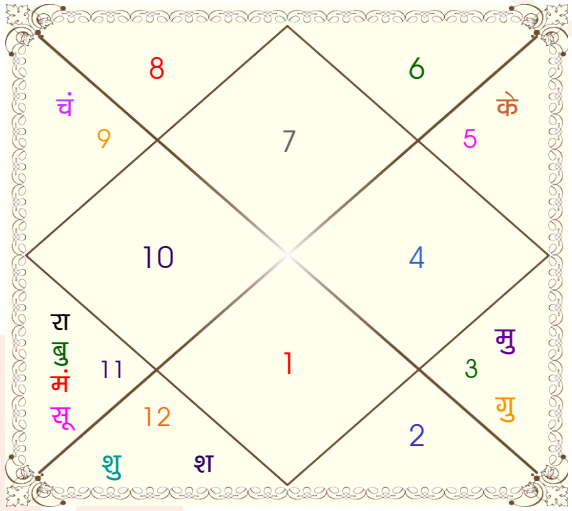

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

दशम् मास
13/04/2026 05:53:47 से 14/05/2026 02:17:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	27:32:47
सूर्य		मीन	रेवती	28:52:15
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	01:09:29
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	08:15:50
बुध		मीन	पू०भाद्रपद	02:51:30
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:32:20
शुक्र		मेष	भरणी	22:09:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	12:48:13
राहु		कुम्भ	शतभिषा	13:53:34
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:53:34
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	23:19:29

मासाधिपति

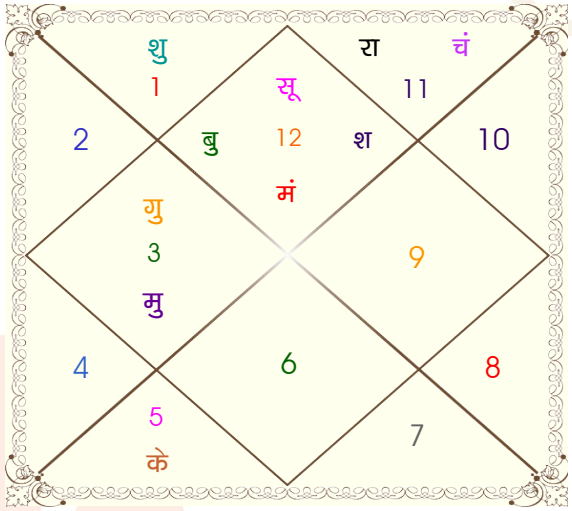

मासाधिपति : गुरु

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रुधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

एकादश मास

14/05/2026 02:17:03 से 14/06/2026 08:31:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:37:13
सूर्य		मेष	कृतिका	28:52:15
चन्द्र		मीन	रेवती	17:50:39
मंगल		मेष	अश्विनी	01:56:49
बुध		मेष	कृतिका	27:58:52
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	26:38:15
शुक्र		वृष	मृगशिरा	29:34:11
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	16:18:38
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:32:09
केतु	व	सिंह	मघा	11:32:09
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	25:49:29

मासाधिपति

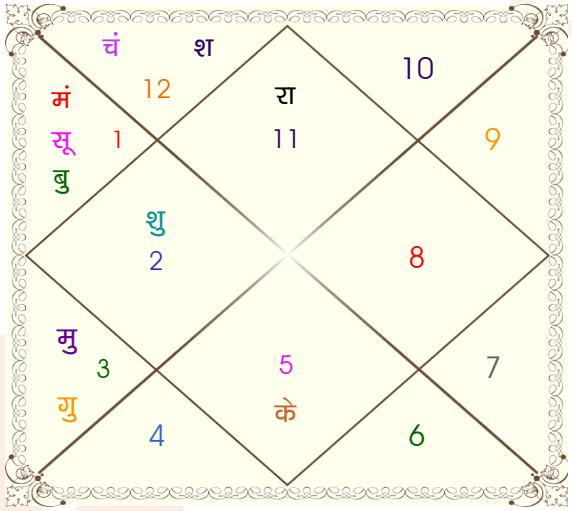

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

द्वादश मास

14/06/2026 08:31:20 से 15/07/2026 19:15:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	10:33:30
सूर्य		वृष	मृगशिरा	28:52:15
चन्द्र		वृष	रोहिणी	14:35:52
मंगल		मेष	भरणी	25:10:49
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	23:16:27
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	02:24:35
शुक्र		कर्क	पुष्य	06:33:36
शनि		मीन	रेवती	19:01:07
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:12:37
केतु	व	सिंह	मघा	08:12:37
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	28:19:29

मासाधिपति

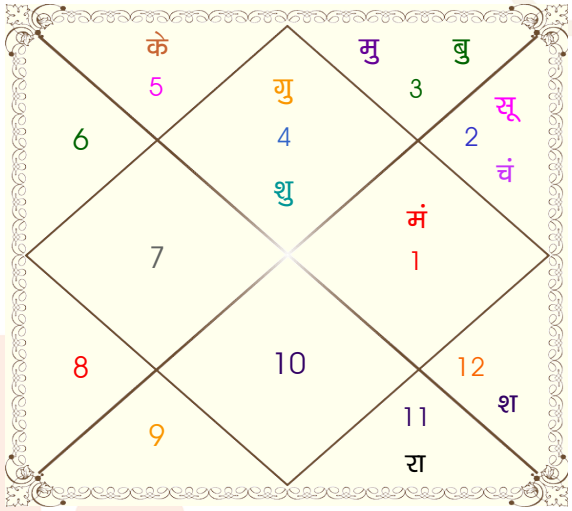

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला सिद्ध होगा इस समय आप अधिक मात्रा में व्यय करेंगे जिससे आप आर्थिक दृष्टि से परेशान होंगे।साथ ही आप दुष्ट मनुष्यों की संगति में भी रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अधिक परिश्रम के द्वारा अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में उपेक्षा का भाव रहेगा।संबधियों तथा मित्रों से भी आपके मधुर सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा इनसे परस्पर मनमुटाव रहेगा। इस समय आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी फलतः मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरक्त शत्रु वर्ग से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप शीत से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी तथा बाद में आप पश्चाताप करेंगे। साथ ही आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः संयम तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।